गोरक्षनगरी में अब रिलायंस भी लगाएगा फैक्टरी

रिलायंस समूह ने धुरियापार में मांगी 120 एकड़ जमीन, घरेलू उपयोग के सामान बनाने की फैक्टरी लगाएगा

धुरियापार में इसी जगह औद्योगिक क्षेत्र किया जा रहा विकसित। फाइल फोटो

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। पेप्सिको, कोकाकोला और अदाणी समूह के बाद अब रिलायंस समूह ने भी गोरक्षनगरी को अपनी औद्योगिक गतिविधियों का नया केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस समूह ने धुरियापार के नए औद्योगिक क्षेत्र में 120 एकड़ जमीन मांगी है जहां कंपनी अपनी एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) फैक्टरी स्थापित करेगी। यह फैक्टरी घरेलू उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन का बड़ा केंद्र बनेगी।

गोरक्षनगरी में यह निवेश स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि कंपनी के प्रतिनिधि अगले सप्ताह गोरखपुर आएंगे और जमीन का निरीक्षण करेंगे। विशेष बात यह है कि रिलायंस की फैक्टरी के लिए जो जमीन दिखाई जाएगी, वह अदाणी समूह की प्रस्तावित सीमेंट फैक्टरी के बगल में ही होगी। इससे धुरियापार क्षेत्र धीरे-धीरे बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित होता दिखाई दे रहा है।

रिलायंस की एफएमसीजी फैक्टरी में खाद्य तेल, डिटर्जेंट, पैकेज्ड फूड, साबुन, टूथपेस्ट, मसाले और अन्य घरेलू उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह का कहना है कि फैक्टरी शुरू होने से न सिर्फ गोरखपुर बल्कि पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

स्थानीय स्तर पर हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अलावा परिवहन, गोदाम और छोटे-छोटे सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अदाणी की सीमेंट फैक्टरी के बगल में दिखाई जाएगी जमीन

रिलायंस समूह की तरफ से घरेलू उपभोग की वस्तुएं बनाने की फैक्टरी के लिए 120 एकड़ जमीन मांगी गई है। हमारे पास लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे के अलावा धुरियापार में भी पर्याप्त जगह है। कंपनी के प्रतिनिधि अगले सप्ताह गोरखपुर आएंगे तो उन्हें गीडा और धुरियापार में प्लॉट दिखाए जाएंगे। धुरियापार में एक ही जगह 120 एकड़ से अधिक जमीन उपलब्ध है।

-अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

सितंबर में हो सकता है उद्यमियों के आवंटन पत्र का वितरण

धुरियापार में अदाणी व केयान ग्रुप और गीडा में कोकाकोला ग्रुप समेत 70 से अधिक उद्यमियों को जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब इन उद्यमियों को जमीन का आवंटन पत्र दिया जाना है। गीडा प्रशासन इसके लिए एक भव्य समारोह आयोजित करना चाहता है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सितंबर के पहले सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। कार्यक्रम लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे बने प्लास्टिक पार्क में होगा। इसी पार्क में टेक्नोप्लास्ट कंपनी की फैक्टरी लगी है। इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। गीडा प्रशासन मुख्यमंत्री कार्यालय के संपर्क में है।

गोरखपुर कैंट स्टेशन पर जल्द बनेगा ओवरब्रिज

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। कैंट रेलवे स्टेशन स्थित 157-ए स्पेशल रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण जल्द शुरू होगा। रेल प्रशासन ने जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (जीएडी) तैयार करने के बाद खर्च का इस्टीमेट फाइनल कर लिया है। करीब 69 करोड़ रुपये से इसका निर्माण होगा। ओवरब्रिज की लंबाई 674 मीटर और चौड़ाई करीब 17 मीटर होगी। इसमें 26 पिलर बनाए जाएंगे। अनुमोदन मिलने के बाद अब टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

फाइनल डिजाइन में तय हुआ है कि क्रॉसिंग के बाद स्टेशन की ओर पुल को एल आकार में बनाया जाएगा। इस ओवरब्रिज के बनने से स्टेशन तक पहुंचने में यात्रियों को आसानी होगी वहीं आसपास की 15 से ज्यादा कॉलोनियों के लोगों और स्कूली बच्चों को क्रॉसिंग पर जाम में नहीं फंसना पड़ेगा।

प्रस्ताव के मुताबिक, कैंट स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर यह ओवरब्रिज टू लेन में बनेगा और निर्माण पर 69 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दिसंबर 2024 में इसे रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिली थी। दो बार डिजाइन में बदलाव किया गया। ओवरब्रिज के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही थी। इसे देखते हुए ओवरब्रिज को जीआरडी स्कूल के अंतिम छोर के सामने से उठाया जाएगा और गक्रॉसिंग के तत्काल बाद 350 मीटर की लंबाई में एल शेप में कर दिया जाएगा। यहां से टू लेन बनाकर ओवरब्रिज को कनेक्ट कयिा जाएगा।

ओवरब्रिज बनने के बाद क्रॉसिंग पर जाम से लोगों को मिल जाएगी राहत। फाइल फोटो

ओवरब्रिज की लंबाई 674 और चौड़ाई करीब 17 मीटर होगी 69 करोड़ रुपये से निर्माण

गोरखपुर कैंट में स्थित रोड ओवरब्रिज का कार्य स्वीकृत है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस रोड पर ओवरब्रिज बन जाने से रेल उपयोगकर्ताओं के साथ साथ सड़क उपयोगकर्ताओं को भी राहत मिलेगी।

- पंकज कुमार सिंह, सीपीआरओ, एनईआर

160 से ज्यादा ट्रेनें, दिन भर दौड़ते हैं इंजन

कैंट रेलवे क्रॉसिंग से होकर रोजाना करीब 160 से ज्यादा ट्रेनें और मालगाड़ी गुजरती हैं। इसके अलावा दिन में भी शंटिंग के लिए इंजन दौड़ते रहते हैं। इसके चलते लगातार क्रॉसिंग गिरा रहता है। सबसे ज्यादा दिक्कत सुबह स्कूल और ऑफिस जाते और दोपहर में लौटते समय होती है।

इन कॉलोनियों के लोगों को मिलेगी राहत : सैनिक विहार कॉलोनी, पवन विहार कॉलोनी, एयरफोर्स कॉलोनी, विष्णु विहार कॉलोनी, टीचर्स कॉलोनी, कोड़इया, गायत्री नगर, राहुल नगर, सिंहासनपुर, काशीपुरम, अयोध्यापुरम, दरगहिया, लालगंज, झरना टोला, मोहनापुर, उचवां, नाथनगर और बिछिया।

होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र बनेगा जमीन का किया सीमांकन

भटहट। क्षेत्र के जंगल पिपरी ग्राम पंचायत में होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के लिए बृहस्पतिवार को मंडलीय कमांडेंट होमगार्ड गिरीश चंद्र कटिहार की उपस्थिति में राजस्व विभाग ने 6 एकड़ भूमि का सीमांकन किया। सीमांकन के दौरान राजस्व अभिलेखों में नक्शे में छोटा होने का मुद्दा सामने आया। जिसे नायब तहसीलदार आकांक्षा पासवान और विकास कुमार ने सुलझा दिया। कार्यदायी संस्था यूपी सीडको प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण करेगा। अभियंता अजय पांडे के अनुसार पश्चिमी छोड़कर प्लेग्राउंड बाउंड्रीवॉल का निर्माण होगा। इसकी अनुमानित लागत 14 करोड़ रुपये है पूर्वी छोर पर प्रशासनिक भवन क्वार्टर गार्ड और शास्त्राघर बनेंगे। इनकी अनुमानित लागत 5 करोड रुपये है। कार्यक्रम में राजस्व निरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव, लोक कुमार सिंह, आफताब श्रीराम, यादव शैलेश सिंह आदि रहे। संवाद

खोराबार उपकेंद्र की बढ़ेगी क्षमता उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

गोरखपुर। शहर में बिजली व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाई जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में फॉल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिल सके। इसी के तहत खोराबार उपकेंद्र की क्षमता बढ़ाई जा रही है, जिससे सीधे 1500 से अधिक उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। जानकारी के अनुसार, वर्तमान में खोराबार उपकेंद्र पर 10 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। अब इसकी क्षमता बढ़ाकर पांच एमवीए का एक और पावर ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। इसके साथ ही अन्य तकनीकी कार्य भी किए जाएंगे। उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए बिजनेस प्लान के तहत यह निर्णय लिया गया है। ट्रांसफार्मर लगाने और अन्य कार्यों पर लगभग 1.20 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसका बजट स्वीकृत हो चुका है। अधीक्षण अभियंता (शहरी) ई. लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि खोराबार उपकेंद्र की क्षमता बढ़ने के बाद इसकी कुल क्षमता 25 एमवीए हो जाएगी। इससे बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर होगी और उपभोक्ताओं को गर्मी में काफी राहत मिलेगी। संवाद

उपकेंद्र में लगेगा नया अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर